चंद्रमा की गर्मी से नष्ट हुआ था चंद्रयान

हो सकता है यह एक साधारण गलती रही हो लेकिन यह बहुत ही घातक साबित हुई और इसका शिकार हुआ भारतीय खोजी यान चंद्रयान-1। भारतीय अंतरिक्ष संस्थान ने चंद्रमा के चारों ओर उपस्थित ताप का कमतर आकलन किया था जिसके चलते भारतीय खोजी यान ज़रूरत से अधिक गर्म होता रहा। मई के महीने में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस खोजी यान की कक्षा 100 से बढ़ाकर 200 कि.मी. कर दी थी। इसका मकसद चंद्रमा की सतह की बेहतर तस्वीरें लेना था। अलबत्ता इसरो के टी.के. एलेक्स ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए अपने वक्तव्य में स्वीकारा कि इस बदलाव का वास्तविक कारण यान के ताप को कम करना या उसे ठंडा रखना था।

चंद्रयान-1 के इंजीनियरों ने चंद्रमा की सतह से विकिरित होने वाली ऊष्मा की गलत गणना की थी। इसरो प्रमुख माधवन नायर का मानना है कि हो सकता है कि अनुमानित ताप की अपेक्षा अधिक ताप पर लगातार काम करते रहने के कारण ही यान के नष्ट होने से पहले ही उसकी संचार व्यवस्था गड़बड़ा गई। गौरतलब है कि 29 अगस्त को यान के साथ रेडियो सम्पर्क समाप्त हो गया था जिसके चलते मिशन एक साल जल्दी समाप्त हो गया। ***(स्रोत फीचर्स)***